THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"
AIM HIGH, TOGETHER WE FLY

तुम कब जाओगे, अतिथि

Q.N No	Question
1.	लेखक के व्यवहार में आधुनिक सभ्यता की कमियाँ झलकने लगती हैं। इससे आप कितना सहमत हैं, स्पष्ट कीजिए। उत्तर- लेखक पहले तो घर आए अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत करता है परंतु दूसरे ही दिन से उसके व्यवहार में बदलाव आने लगता है। यह बदलाव आधुनिक सभ्यता की कमियों का स्पष्ट लक्षण है। मैं इस बात से पूर्णतया सहमत हूँ। लेखक जिस अतिथि को देवतुल्य समझता है वही अतिथि मनुष्य और कुछ अंशों में राक्षस-सा नजर आने लगता है। उसे अपनी सहनशीलता की समाप्ति दिखाई देने लगती है तथा अपना बजट खराब होने लगता है, जो आधुनिक सभ्यता की कमियों का स्पष्ट प्रमाण है।
2.	दूसरे दिन अतिथि के न जाने पर लेखक और उसकी पत्नी का व्यवहार किस तरह बदलने लगता है? उत्तर लेखक के घर जब अतिथि आता है तो लेखक मुसकराकर उसे गले लगाता है और उसका स्वागत करता है। उसकी पत्नी भी उसे सादर नमस्ते करती है। उसे भोजन के बजाय उच्च मध्यम स्तरीय डिनर करवाते हैं। उससे तरह-तरह के विषयों पर बातें करते हुए उससे सौहार्द प्रकट करते हैं परंतु तीसरे दिन ही उसकी पत्नी खिचड़ी बनाने की बात कहती है। लेखक भी बातों के विषय की समाप्ति देखकर बोरियत महसूस करने लगता है। अंत में उन्हें अतिथि देवता कम मनुष्य और राक्षस-सा नज़र आने लगता है।
3.	अतिथि रूपी देवता और लेखक रूपी मनुष्य को साथ-साथ रहने में क्या परेशानियाँ दिख रही थीं? उत्तर- भारतीय संस्कृति में अतिथि को देवता माना गया है जिसका स्वागत करना हर मनुष्य का कर्तव्य होता है। इस देवता और अतिथि को साथ रहने में यह परेशानी है कि देवता दर्शन देकर चले जाते हैं, परंतु आधुनिक अतिथि रूपी देवता मेहमान नवाजी का आनंद लेने के चक्कर में मनुष्य की परेशानी भूल जाते हैं। जिस मनुष्य की आर्थिक स्थिति अच्छी न हो उसके लिए आधुनिक देवता का स्वागत करना और भी कठिन हो जाता है।
4.	'तुम कब जाओगे, अतिथि' पाठ की प्रासंगिकता आधुनिक संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। उत्तर- 'तुम कब जाओगे, अतिथि' नामक पाठ में बिना पूर्व सूचना के आने वाले उस अतिथि का वर्णन है जो मेहमान नवाजी का आनंद लेने के चक्कर मेजबान की परेशानियों को नज़रअंदाज कर जाता है। अतिथि देवता को नाराज़ न करने के चक्कर में मेजबान हर परेशानी को झेलने के लिए विवश रहता है। वर्तमान समय और इस महँगाई के युग में जब मनुष्य अपनी ही ज़रूरतें पूरी करने में अपने आपको असमर्थ पा रहा है और उसके पास समय और साधन की कमी है तब ऐसे अतिथि का स्वागत सत्कार करना कठिन होता जा रहा है। अतः यह पाठ आधुनिक संदर्भों में पूरी तरह प्रासंगिक है।

PREPARED BY- VIDHYA RAJESH HOD- VIDHYA RAJESH

5.	लेखक को ऐसा क्यों लगने लगा कि अतिथि सदैव् देवता ही नहीं होते? उत्तर- लेखक ने देखा कि उसके यहाँ आने वाले अतिथि उसकी परेशानी को देखकर भी अनदेखा कर रहा है और उस पर बोझ बनता जा रहा है। चार दिन बीत जाने के बाद भी वह अभी जाना नहीं चाहता है जबकि देवता दर्शन देकर लौट जाते हैं। वे इतना दिन नहीं ठहरते। इसके अलावा वे मनुष्य को दुखी नहीं करते तथा उसकी हर परेशानी का ध्यान रखते हैं। अपने | घर आए अतिथि का ऐसा व्यवहार देखकर लेखक को लगने लगता है कि हर अतिथि देवता नहीं होता है।

THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"
AIM HIGH, TOGETHER WE FLY

प्रश्न 1 – लेखक किससे परेशान है?

(A) अपनी पत्नी से (B) अतिथि से (C) महँगाई से (D) गर्मी से

PREPARED BY- VIDHYA RAJESH HOD- VIDHYA RAJESH

प्रश्न **2 –** लेखक के घर में अतिथि को कितने दिन हो गए थे**?**
(A) दो (B) चार (C) पाँच (D) तीन

प्रश्न **3 –** लेखक अतिथि से क्या चाहता है**?**
(A) वह लेखक के ही घर में रहे (B) एक-दो दिन और रुके
(C) वह जल्दी चला जाए (D) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न **4 –** लेखक कितने दिनों से अतिथि को कलैंडर दिखाकर तारीखें बदल रहा है**?**
(A) दो (B) चार (C) तीन (D) एक

प्रश्न **5 –** लेखक को अतिथि से क्या उम्मीद थी**?**
(A) वह कुछ काम करेगा (B) वह लेखक की मदद करेगा (C) वह अगले ही दिन चला जाएगा (D) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न **6 –** लॉण्ड्री में कपड़े देने की बात सुनकर लेखक की पत्नी को क्या लगा**?**
(A) अब अतिथि चला जाएगा (B) खर्च बढ़ेगा
(C) समय लगेगा (D) अतिथि और कुछ दिन ठहरेगा

प्रश्न **7 –** लेखक की पत्नी अतिथि के सत्कार से दुखी होकर क्या बनाने को कहती है**?**
(A) खिचड़ी (B) पुलाव (C) आलू (D) खीर

प्रश्न **8 –** लेखक की सहनशक्ति किस दिन ज़वाब देने वाली थी**?**
(A) दूसरे (B) पाँचवे (C) तीसरे (D) चौथे

प्रश्न **9 –** लेखक के अनुसार अतिथि के समय पर लौट जाने पर अतिथि का क्या सुरक्षित रहता है**?**
(A) सामान
(B) इज़्जत
(C) देवत्व
(D) मान

प्रश्न **10 –** लेखक अंत में दुखी हो कर अतिथि से क्या कहता है**?**
(A) और कितना परेशान करोगे
(B) कब तक ठहरोगे
(C) कितनी बात करोगे
(D) उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि?